पाठ्यक्रम संरचना
कक्षा–XI
विषय– व्यवसाय अध्ययन – (302)

पूर्णांक–100

सैद्धांतिक – 80
प्रायोजना – 20

स.क्र.	इकाई एवम् पाठ्यवस्तु	आंबटित अंक	कालखण्ड
	भाग – 1 व्यावसाय के आधार		
1.	व्यवसाय, व्यापार और वाणिज्य	08	20
2.	व्यावसायिक संगठन के स्वरूप	08	25
3.	निजी, सार्वजनिक एवं भूमण्डलीय उपक्रम	06	15
4.	व्यावसायिक सेवाएँ	07	15
5.	व्यवसाय की उभरती पद्धतियाँ	05	10
6.	व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यावसायिक नैतिकता	06	15
	भाग – 2 व्यावसायिक संगठन, वित्त एवं व्यापार		
7.	कंपनी निर्माण	08	20
8.	व्यावसायिक वित्त के स्त्रोत	07	15
9.	सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम और व्यवसायिक उद्यमिता	07	20
10.	आंतरिक व्यापार	10	25
11.	अंतराष्ट्रीय व्यापार	08	20
	योग –	**80**	**200**
	प्रायोजना –	**20**	**20**
	महायोग –	**100**	**220**

प्रश्नपत्र योजना
कक्षा–XI
विषय– व्यवसाय अध्ययन – (302)

कुल अंक– 80 समय – 3:00 घंटे

"A" - प्रश्नानुसार अंक विभाजन

क्र0	शैक्षिक उद्देश्य	वस्तुनिष्ठ/ एक शब्द में उत्तर 01	अति लघु उत्तरीय (VSA) 02	लघु उत्तरीय (SA) 03	दीर्घ उत्तरीय (LA) 04	अतिदीर्घ उत्तरीय (VLA) 06	कुल अंक	% अधिमार
1.	ज्ञानात्मक (Knowledge) परिभाषा, सिद्धांत, तथ्यों को पहचानना, सूचना इत्यादि पर आधारित स्मरण क्षमता पर आधारित प्रश्न	05	02	01	01	-	16	20%
2.	अववोधात्मक (Understanding) अर्थ, व्याख्या, अंतर स्पष्ट करना, वैचारिक समझ, भावानुवाद	02	01	-	01	02	20	25%
3.	अनुप्रयोगात्मक (Application) उदाहरण सहित/संदर्भ और समझ के आधार पर दी गई नयी परिस्थितियों को समझना /सिद्धांत के समाधान/हल निकालना	02	01	02	01	01	20	25%
4.	विश्लेषणात्मक (Analysis) वर्गीकृत, तुलनात्मक, व्याख्या विभिन्न स्त्रोतो पर आधारित विशेष जानकारी को समाहित करना/एकीकरण/सुसंगठित करना/अंतर	01	-	01	01	-	08	10%
5.	मूल्यांकन (Evaluation) मूल्यांकन करना/समीक्षा करना/मूल्य निर्धारण /निष्कर्ष निकालना/चयन करना/ तर्क आधारित	-	01	-	-	01	08	10%
6.	रचनात्मक (Creation/Creativity) सृजन करना/पुर्वानुमान/योजना वनाना/ परिकल्पना /संगठित करना	-	-	-	02	-	08	10%
	योग	1 (10) = 10	2 (05) = 10	3 (04) =12	4 (06) =24	6(04) =24	80	100%

"B" - प्रश्नानुसार विभाजन

क्र0	प्रश्नों का प्रकार	प्रत्येक प्रश्न पर आबंटित अंक	कुल प्रश्न	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ/एक शब्द में उत्तर	01	1(10)	10
2.	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (VSA)	02	05	10
3.	लघुउत्तरीय प्रश्न (SA)	03	04	12
4.	दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA)	04	06	24
5.	अति दीर्घउत्तरीय प्रश्न (VLA)	06	04	24
		कुल योग	19+1 (10)	80

"C" - कठिनाई स्तर अनुसार अंक विभाजन

क्र0	कठिनाई स्तर	अंक	प्रतिशत
1.	सरल (E)	24	30%
2.	औसत (AV)	40	50%
3.	कठिन (D)	16	20%
	कुल योग	80	100%

ब्लूप्रिंट
कक्षा–XI
विषय– व्यवसाय अध्ययन – (302)

कुल अंक – 80 समय – 3:00 घंटे

"A" - प्रश्नानुसार अंक विभाजन

क्र0	इकाई एवम् पाठ्यवस्तु	अंको का अधिमार	वस्तुनिष्ठ / एक शब्द में उत्तर 01	अति लघु उत्तरीय (VSA) 02	लघु उत्तरीय (SA) 03	दीर्घ उत्तरीय (LA) 04	अतिदीर्घ उत्तरीय (VLA) 06	कुल अंक	कुल प्रश्नों की संख्या
	भाग – 1 व्यावसाय के आधार								
1.	व्यवसाय, व्यापार और वाणिज्य	08	01	-	01	01*	-	08	2(1)
2.	व्यावसायिक संगठन के स्वरूप	08	02	-	-	-	01*	08	1(2)
3.	निजी, सार्वजनिक एवं भूमण्डलीय उपक्रम	06	-	01	-	01*	-	06	2(0)
4.	व्यावसायिक सेवाएँ	07	01	-	-	-	01*	07	1(1)
5.	व्यवसाय की उभरती पद्धतियाँ	05	-	01	01	-	-	05	2(0)
6.	व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यावसायिक नैतिकता	06	02	-	-	01*	-	06	1(2)
	भाग – 2 व्यावसायिक संगठन, वित्त एवं व्यापार								
7.	कंपनी निर्माण	08	01	-	01	01*	-	08	2(1)
8.	व्यावसायिक वित्त के स्त्रोत	07	01	01	-	01*	-	07	2(1)
9.	सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम और व्यवसायिक उद्यमिता	07	01	01	-	01*	-	07	2(1)
10.	आंतरिक व्यापार	10	01	-	01	-	01*	10	2(1)
11.	अंतराष्ट्रीय व्यापार	08	-	01	-	-	01*	08	2(0)
	योग	80	1 (10) = 10	2 (05) = 10	3 (04) =12	4 (06) =24	6 (04) =24	80	19+1 (10) =20

नोट :–

01. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के दो भाग होंगे। खण्ड 'अ' में 05 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) एवं खण्ड 'ब' में 05 एक शब्द वाले (OWA) प्रश्न होंगे।
02. * तारांकित प्रश्नों में विकल्प दिए जायेंगे।
03. महायोग में कोष्ठक के बाहर की संख्या अंको को दर्शाती है तथा कोष्ठक के अंदर की संख्या प्रश्नों की संख्या को दर्शाती है।
04. प्रश्न क्र. 01 के उत्तर एक साथ ही पर हल करना अनिवार्य है।

प्रश्नपत्र संरचना
कक्षा–XI
विषय – व्यवसाय अध्ययन (302)

कुल अंक – 80 **समय – 3:00 घंटे**

1. प्रश्न क्र0–01 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिसमें दो खण्ड होंगे :–

(i) **"खण्ड–अ" में 05** बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) है। प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।

(ii) **खण्ड–"ब" में 05** एक शब्द वाले (OWA) प्रश्न होंगे। प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।

2. प्रश्न क्र0–02 से प्रश्न क्र0–06 तक अति लघुउत्तरीय प्रश्न (VSA) होगें, प्रत्येक में 02 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 30

3. प्रश्न क्र0–07 से प्रश्न क्र0–10 तक लघुउत्तरीय प्रश्न (SA) होगें, प्रत्येक में 03 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 50

4. प्रश्न क्र0–11 से प्रश्न क्र0–16 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA) होगें, प्रत्येक में 04 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 75–100 शब्द

5. प्रश्न क्र0–17 से प्रश्न क्र0–20 तक अति दीर्घउत्तरीय (VLA) होगें, जिसमें प्रत्येक में 06 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 150–200 शब्द

6. प्रश्न क्र0–11 से प्रश्न क्र0–20 तक प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प रहेंगे।

7. प्रश्न क्र. 01 के उत्तर एक साथ ही पर हल करना अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम
कक्षा – XI
विषय – व्यवसाय अध्ययन (302)

भाग – 1 व्यावसाय के आधार **अंक 40 कालखण्ड 100**

अध्याय – 1 व्यवसाय, व्यापार और वाणिज्य –

प्रस्तावना, अर्थव्यवस्था के विकास में व्यवसाय की भूमिका, व्यवसाय की प्रकृति और अवधारणा, व्यवसाय की अवधारणा– व्यवसायिक क्रियाओं की विशेषताएं, व्यवसाय पेशा तथा रोजगार में तुलना, व्यवसायिक क्रियाओं का वर्गीकरण– उद्योग वाणिज्य, व्यापार, व्यापार एवं व्यापार के सहायक, व्यवसाय के उद्देश्य– व्यवसायिक जोखिम – व्यवसायिक जोखिमों की प्रकृति, व्यवसायिक जोखिमो के कारण, व्यवसाय शुरू करना–मूल कारण।

अध्याय – 2 व्यावसायिक संगठन के स्वरूप –

परिचय, एकल स्वामित्व, संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय – लक्षण, गुण, सीमाएं, साझेदारी, लक्षण, गुण सीमाएं, साझेदारों के प्रकार, साझेदारी के प्रकार, साझेदारी संलेख, पंजीकरण, सहकारी संगठन, लक्षण, गुण सीमाएं, सहकारी समितियों के प्रकार, संयुक्त पूंजी कंपनी, लक्षण, गुण सीमाएं, कंपनियों के प्रकार, व्यवसायिक संगठन के स्वरूप का चयन।

अध्याय – 3 निजी, सार्वजनिक एवं भू मण्डलीय उपक्रम –

परिचय, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के संगठनों का स्वरूप – विभागीय उपक्रम, वैधानिक निगम, सरकारी कंपनी, सार्वजनिक क्षेत्र की बदलती भूमिका, भूमण्डलीय उपक्रम– विशेषताएं, सार्वजनिक निजी भागीदारी, (पी.पी.पी.)।

अध्याय – 4 व्यावसायिक सेवाएँ

परिचय, सेवाओं की प्रकृति, सेवाओं के प्रकार – व्यावसायिक सेवाएं, बैकिंग– बैंकों के प्रकार, वाणिजयिक बैंक के कार्य, ई बैकिंग, बीमा– बीमा का आधारभूत सिद्धांत बीमा के कार्य, बीमा के सिद्धांत, बीमा के प्रकार, संप्रेषण सेवाएं– डाक सेवाएं, टेलीकॉम सेवाएं, परिवहन।

अध्याय – 5 व्यवसाय का उभरती पद्धतियां –

परिचय, ई–व्यवसाय – ई–व्यवसाय का कार्य क्षेत्र, ई–व्यवसाय के लाभ, ई–व्यवसाय की सीमाएं, ऑनलाईन लेनदेन, ई– लेनदेनों की सुरक्षा एवं बचाव, सफल ई–व्यवसाय कार्यान्वयन के लिए आवश्यक संसाधन।

अध्याय – 6 व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यावसायिक नैतिकता –

परिचय, सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा, सामाजिक उत्तरदायित्व की आवश्यकता– सामाजिक उत्तरदायित्व के पक्ष में तर्क, सामाजिक उत्तरदायित्व के मुख्य, विपक्ष में मुख्य तर्क, सामाजिक उत्तर दायित्व की यथार्थ वादिता, सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रकार, व्यवसाय का विभिन्न संबंधित वर्गो के प्रति उत्तरदायित्व, व्यवसाय तथा पर्यावरण संरक्षण– प्रदूषण के प्रकार, प्रदूषण नियंत्रण की आवश्यकता, पर्यावरण संरक्षण में व्यवसाय की भूमिका, व्यवसायिक नैतिकता– व्यवसायिक नैतिकता की अवधाणा, व्यवसायिक नैतिकता के तत्व।

अंक 40 कालखण्ड 100

भाग – 2 व्यावसायिक संगठन, वित्त एवं व्यापार

अध्याय – 7 कंपनी निर्माण –

परिचय, कंपनी की संरचना– कंपनी प्रवर्तन, समामेलन, पूँजी अभिदान, जमा किए जाने वाले आवश्यक प्रलेख।

अध्याय – 8 व्यावसायिक वित्त के स्त्रोत –

परिचय, व्यवसायिक वित्त का अर्थ, प्रकृति एवं महत्व, वित्त/धन के स्त्रोतो का वर्गीकरण– अवधि के आधार पर, स्वामित्व के आधार पर, आंतरिक एवं बाह्य सुविधाओं के आधार पर, वित्त के स्त्रोत– संचित आय, व्यापारिक साख, आढ़त, लीज वित्तीयन, सार्वजनिक जमा, वाणिज्यिक पत्र, अंशो का निर्गमन, ऋण पत्र, वाणिज्यिक बैंक, वित्तीय संस्थान, कोषों के स्त्रोत के चयन को प्रभावित करने वाले तत्व।

अध्याय – 9 सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम और व्यवसायिक उद्यमिता –

प्रस्तावना, सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम, सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम की भूमिका, सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यमों के साथ जुडी समस्याएं, सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम और उद्यमिता का विकास, बौद्धिक संपदा अधिकार (आई0पी0आर0) – उद्यमियों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार कयों महत्वपूर्ण है?, बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रकार।

अध्याय – 10 आंतरिक व्यापार –

परिचय, आंतरिक व्यापार, थोक व्यापार– विनिर्माताओं के प्रति सेवाएं, फुटकर विक्रेताओं के प्रति सेवाएं, फुटकर व्यापार– उत्पादकों एवं थोक विक्रेताओं की सेवाएं, उपभोक्ताओं को सेवाएं, माल एवं सेवा कर (जी.एस.टी.), फुटकर व्यापार के प्रकार – भ्रमणशील फुटकर विक्रेता, स्थायी दुकानदार।

अध्याय – 11 अंर्तराष्ट्रीय व्यापार –

परिचय, अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय/व्यापार का अर्थ – अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय के कारण, अंर्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय बनाम घरेलू व्यवसाय, अंर्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय का क्षेत्र, अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय के लाभ, अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय मे प्रवेश की विधियां – आयात एवं निर्यात, संविदा विनिर्माण, अनुज्ञप्ति लाइसैंस एवं मताधिकारी, संयुक्त उपकरण, संपूर्ण स्वामित्व वाली सहायक इकाईया/कंपनियाँ, आयात निर्यात प्रक्रिया – निर्यात प्रक्रिया, आयात प्रक्रिया, विदेशी व्यापार प्रोन्नति – प्रोत्साहन एवं संगठनात्मक समर्थन – विदेशी व्यापार प्रोन्नति विधियां एवं योजनाएं, संगठन समर्थन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संस्थान एवं व्यापार समझौते – विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई.एम.एफ.), विश्व व्यापार संगठन (डब्लू.टी.ओ.) एवं प्रमुख समझौते,

योग –	80	200
प्रायोजना –	20	20
महायोग –	100	220

प्रायोजना कार्य (Project Work)
कक्षा–XI
विषय– व्यवसाय अध्ययन (302)

अधिकतम अंक : 20 अंक
(Max. Marks 20)

समय : 2:00 घंटे
(Time : Two Hours)

मूल्यांकन योजना

स.क्र. S.No.	विषयवस्तु (Heading)	अंक Marks allotted
1.	प्रायोजना रिकार्ड	04
2.	प्रायोजना कार्य / परीक्षा	
	• प्रस्ताव, सहयोगिता एवं सहभागिता	02
	• प्रस्तुतीकरण में सृजनात्मकता	02 — 12
	• विषयवस्तु, अवलोकन एवं अनुसंधान कार्य	04
	• पारिस्थितियों का विश्लेषण	04
3.	मौखिक (Viva)	04
	कुल अंक (Total)	**20 अंक** 20 Marks

टीप – प्रायोजना कार्ययोजना पूर्ववत् यथावत् है।